उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री प्रथम सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

(सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

विषय: समाजशास्त्र, कोड: GE-01

पत्र: समाजशास्त्र की मूल अवधारणाएं

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी समाजशास्त्र के ऐतिहासिक विकास तथा समाजशास्त्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों के बीच अंतर्विषयी संबंधों को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक घटनाओं की व्याख्या करने हेतु प्रमुख समाजशास्त्रीय अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक समूहों के अर्थ, परिभाषाओं एवं विभिन्न प्रकारों तथा समाज में उनकी भूमिका को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी समाज में प्रस्थिति (Status) एवं भूमिका (Roles) की अवधारणा, प्रकार तथा उनके पारस्परिक संबंधों को समझ सकेंगे।
5. विद्यार्थी समाजीकरण, इसके अभिकरणों, विशेषताओं तथा प्रमुख सैद्धांतिक दृष्टिकोणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	**समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास:** समाजशास्त्र का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र। • समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध: दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास एवं मानवशास्त्र।
2	**समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ:** • समुदाय,अर्थ, परिभाषाएँ , विशेषताएं • समिति ,अर्थ, परिभाषाएँ , विशेषताएं • संस्था ,अर्थ, परिभाषाएँ , विशेषताएं • समाज, अर्थ, परिभाषाएँ , विशेषताएं
3	**सामाजिक प्रस्थिति एवं भूमिका:** अर्थ, परिभाषाएँ, विशेषताएं एवं प्रकार ।
4	**सामाजिक समूह:** • सामाजिक समूहों का अर्थ, परिभाषाएँ, ,विशेषताएं एवं प्रकार।

Awasthi

5	**समाजीकरण:** • अवधारणा, विशेषताएँ, • अभिकरण एवं सिद्धांत — कूले, फ्रायड एवं मीड।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. जे. पी. सिंह — समाजशास्त्र के मूलतत्त्व — PHI Learning.
2. राम आहूजा एवं मुकेश आहूजा — समाजशास्त्र : विवेचना एवं परिप्रेक्ष्य — रावत पब्लिकेशन्स.
3. सी. एन. शंकर राव — समाजशास्त्र के मूल सिद्धांत — एस. चंद.
4. विद्याभूषण एवं डी. आर. सचदेवा — सैद्धान्तिक समाजशास्त्र.
5. Bottomore, T. B. (1972). *Sociology: A Guide to Problems and Literature*. Bombay: George Allen and Unwin Publishing House.
6. Bierstedt, R. (1974). *The Social Order*. New York: McGraw-Hill.
7. Comte, A. (1974). *The Positive Philosophy of Auguste Comte* (H. Martineau, Trans.). AMS Press. (Original work published 1855).
8. Cooley, C. H. (1909). *Social Organization: A Study of the Larger Mind*. Scribner.
9. Davis, Kingsley. (1995). *Human Society*. Delhi: Surjeet Publications.
10. Haralambos, M., & Holborn, M. (2014). *Sociology: Themes and Perspectives*. USA: HarperCollins.

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री द्वितीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय: समाजशास्त्र, कोड: GE-02
पत्र: भारतीय सामाजिक व्यवस्था

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी समाजशास्त्रीय ज्ञान एवं विश्लेषणात्मक कौशल प्राप्त करेंगे, जिससे वे भारतीय समाज तथा उभरते हुए सामाजिक मुद्दों के बारे में आलोचनात्मक ढंग से चिंतन कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारतीय समाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों एवं चुनौतियों पर प्रभावी, तार्किक तथा सुविचारित लिखित एवं मौखिक तर्क प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	**भारतीय समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** विविधता में एकता, • भारतीय समाज में विविधताएँ, • विविधताओं के कारण एवं परिणाम।
2	**वर्णाश्रम व्यवस्था:** अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार एवं • वर्ण व्यवस्था का समाजशास्त्रीय महत्व। **पुरुषार्थ:** अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार एवं पुरुषार्थ का समाजशास्त्रीय महत्व।
3	**विवाह:** अर्थ, अवधारणा एवं उद्देश्य। **विवाह के प्रकार:** हिंदू विवाह एवं मुस्लिम विवाह।
4	**परिवार:** अर्थ, प्रकार एवं कार्य। **नातेदारी:** अर्थ, प्रकार एवं नातेदारी संबंधी शब्दावली।
5	**जाति व्यवस्था:** अर्थ एवं विशेषताएँ। **जजमानी व्यवस्था:** अर्थ, संरचना एवं कार्यप्रणाली तथा महत्व।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. Béteille, A. (2019). *Caste, Class, and Power: Changing Patterns of Stratification in a Tanjore Village*. Oxford University Press.
2. Desai, M., & Sinha, A. (2021). *Understanding Indian Society: Past and Present*. Routledge.
3. Dirks, N. B. (2001). *Castes of Mind: Colonialism and the Making of Modern India*. Princeton University Press.
4. Doniger, W. (2010). *The Hindus: An Alternative History*. Penguin Books.
5. Dube, S. C. (1990). *Indian Society*. National Book Trust.
6. श्याम चरण दुबे — भारतीय समाज
7. आहूजा, राम — भारतीय समाज, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर/नई दिल्ली।
8. आहूजा, राम — भारतीय सामाजिक व्यवस्था, रावत पब्लिकेशन्स।
9. शंकर राव, सी. एन. — समाजशास्त्र: समाजशास्त्र के सिद्धांत एवं समाजशास्त्रीय चिंतन का परिचय, एस. चंद एंड कंपनी।
10. श्रीनिवास, एम. एन. — भारतीय सामाजिक संरचना।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री तृतीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय: समाजशास्त्र, कोड: GE-03
पत्र: भारतीय सामाजिक समस्याएं

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी समकालीन भारतीय समाज की प्रमुख सामाजिक समस्याओं एवं मुद्दों की पहचान, प्रकृति एवं विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक समस्याओं के प्रमुख कारणों एवं उनके सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रभावों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से विश्लेषण कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी साम्प्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद तथा सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार जैसी प्रमुख सामाजिक समस्याओं की प्रकृति एवं प्रभावों को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी निर्धनता, बेरोजगारी, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा तथा घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के कारणों, प्रभावों तथा निवारण के उपायों का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी कन्या भ्रूण हत्या एवं वृद्धजनों की समस्याओं सहित पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु उपलब्ध कानूनी, सामाजिक एवं सरकारी उपायों का मूल्यांकन करने तथा सामाजिक जागरूकता एवं समाधान में अपनी भूमिका को समझने में सक्षम होंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	**सामाजिक समस्याएँ:** अवधारणा, विशेषताएं, प्रकार एवं कारण।
2	**भारतीय समाज के मुद्दे:** साम्प्रदायिकता, • जातिवाद, • क्षेत्रवाद एवं • सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार।
3	**निर्धनता एवं बेरोजगारी:** अवधारणा, प्रकार, कारण एवं प्रभाव।
4	**महिलाओं के विरुद्ध हिंसा:** अर्थ एवं प्रकार, • वैधानिक सुरक्षा तथा रोकथाम-संबंधी उपाय

Awasthi

5	**पारिवारिक मुद्दे एवं समस्याएँ:** कन्या भ्रूण हत्या, • घरेलू हिंसा एवं • वृद्धजनों की समस्याएँ।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. Pandit, P. S. वर्णाश्रम व्यवस्था: An Analysis based on Scriptural Evidence (Hindi ed.). Sharada Sanskrit Sansthan.
2. Ram Ahuja, Social Problems in India, Rawat Publications, Jaipur.
3. G. R. Madan, Indian Social Problems, Allied Publishers, New Delhi.
4. M. S. A. Rao, Social Movements in India, Manohar Publications, New Delhi.
5. André Béteille, Social Inequality, Oxford University Press, New Delhi.
6. N. Jayaram, The Indian Social System, Sage Publications, New Delhi.
7. राम आहूजा, भारत में सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
8. जी. आर. मदान, भारतीय सामाजिक समस्याएँ, एलाइड पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
9. एस. सी. दुबे, भारतीय समाज, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
10. योगेन्द्र सिंह, भारतीय समाज में सामाजिक परिवर्तन, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
11. एम. एन. श्रीनिवास, आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री चतुर्थ सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

(सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

विषय: समाजशास्त्र, कोड: GE-04

पत्र: सामाजिक नियंत्रण

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी-

1. सामाजिक व्यवस्था एवं विचलित व्यवहार को बनाए रखने में सामाजिक नियंत्रण की महत्वपूर्ण भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
2. विचलन के विभिन्न रूपों तथा समाज में उनके जटिल कार्यों का अध्ययन कर सकेंगे।
3. सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक एवं औपचारिक साधनों की पहचान एवं तुलना कर सकेंगे।
4. सामाजिक नियंत्रण की विभिन्न अभिकरणों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	**सामाजिक नियंत्रण:** • सामाजिक नियंत्रण का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं कार्य।
2	**सामाजिक नियंत्रण के प्रकार:** • प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सामाजिक नियंत्रण, • सकारात्मक एवं नकारात्मक सामाजिक नियंत्रण, • संगठित एवं असंगठित सामाजिक नियंत्रण।
3	**सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन:** • प्रथाएँ, • मानदंड, • मूल्य, • लोकाचार एवं धर्म।

4	**सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन:** • शिक्षा एवं कानून।
5.	**सामाजिक नियंत्रण के अभिकरण:** • परिवार, • राज्य, • शैक्षणिक संस्थाएँ एवं • जनमत।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. Lowie, Robert, H; Social Organisation, Landon Routledge and Kegan Paul.
2. Roneck, Joseph, S; Social Control, Nostr and Company.
3. Malinowski, B.: Magic, Science and Religion and Other Essays, Glencoe.
4. Ross, E.A.: Social Control: The MacMillan Co., New York.
5. Rajendra K. Sharma, Social Change & Social Control, Atlantic Publishers.
6. Hichelle Inderbitzin, Kristin A. Bate, *Deviance & Social Control: A Sociological Perspective*, Sage Publication.
7. Jones J. Chriss, *Social Control: An Introduction*, Polity Publishers.
8. भारत अग्रवाल, सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, एसबीपीडी पब्लिकेशन।
9. रामनाथ शर्मा, सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक नियंत्रण, अटलांटिक पब्लिशर।
10. आहूजा, राम — समाजशास्त्र: विवेचना एवं परिप्रेक्ष्य — रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर एवं नई दिल्ली।
11. धारवाडकर, दीपक एवं भालेराव, एस. पी. — सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन — श्रीराम प्रकाशन, कानपुर।
12. सिंह, वी. एन. एवं सिंह, जन्मेजय — समाजशास्त्र — रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री पञ्चम सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय: समाजशास्त्र, कोड: GE-05
पत्र: सामाजिक परिवर्तन

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के प्रतिरूपों तथा सामाजिक रूपांतरण को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान एवं विश्लेषण कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के घटित होने के विभिन्न तरीकों को समझ एवं उनकी तुलना कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी समकालीन सामाजिक मुद्दों को समझने तथा अपने आलोचनात्मक चिंतन एवं समस्या-समाधान कौशल को विकसित करने के लिए समाजशास्त्रीय अवधारणाओं का प्रयोग कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	**सामाजिक परिवर्तन:** अवधारणा,विशेषताएँ तथा • सामाजिक परिवर्तन के प्रतिरूप — रेखीय एवं चक्रीय।
2	**सामाजिक परिवर्तन के कारक:** जैविक, जनसांख्यिकीय, आर्थिक, • सांस्कृतिक एवं तकनीकी कारक।
3	**सामाजिक परिवर्तन के प्रतिरूप:** उद्विकास, • प्रगति, विकास एवं क्रांति।
4	**सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ:** आधुनिकीकरण, • पश्चिमीकरण एवं संस्कृतिकरण।
5	**सामाजिक गतिशीलता:** अवधारणा, विशेषताएँ एवं प्रकार।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. **योगेन्द्र सिंह** — आधुनिकीकरण की समाजशास्त्रीय परम्परा — रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
2. **एम. एन. श्रीनिवास** — आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन — राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. **राम आहूजा** — भारतीय सामाजिक व्यवस्था — रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
4. **राम आहूजा** — सामाजिक समस्याएँ — रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
5. **वी. एन. सिंह एवं जन्मेजय सिंह** — समाजशास्त्र — रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
6. **M. N. Srinivas** — Social Change in Modern India — Orient Blackswan, New Delhi.
7. **Anthony Giddens** — Sociology — Polity Press.
8. **William F. Ogburn** — Social Change: With Respect to Culture and Original Nature — B.W. Huebsch.
9. **Kingsley Davis** — Human Society — Macmillan.
10. **Yogendra Singh** — Modernization of Indian Tradition: A Systemic Study of Social Change — Rawat Publications, Jaipur.

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री षष्ठ सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय: समाजशास्त्र, कोड: GE-06
पत्र: उत्तराखंड की संस्कृति एवं समाज

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

1. विद्यार्थी लोक संस्कृति की अवधारणा, विशेषताओं तथा सामाजिक जीवन में उसके महत्व को समझने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी उत्तराखंड की विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों, समुदायों, जनसांख्यिकीय विविधता, परंपराओं, रीति-रिवाजों तथा नातेदारी प्रणालियों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी उत्तराखंड की लोक कला, लोक नृत्य, लोक गीत, त्योहारों एवं मेलों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण एवं पर्यटन के लोक संस्कृति पर प्रभाव तथा सांस्कृतिक संरक्षण हेतु सरकारी पहलों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	लोक संस्कृतिः अर्थ, विशेषतायें • सामाजिक एकता एवं पहचान में लोक संस्कृति की भूमिका
2	सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्यः प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद, • सांस्कृतिक पारिस्थितिकी
3	उत्तराखंड के सांस्कृतिक क्षेत्रः समुदाय, • जनसांख्यिकीय विविधता • परम्पराएं • रीति-रिवाज और नातेदारी
4	उत्तराखंड की लोक संस्कृतिः लोक कला,

Swathi

	• लोक नृत्य • लोक गीत • त्यौहार एवं मेले
5	लोक संस्कृति का सामाजिक-आर्थिक प्रभावः आधुनिकीकरण का प्रभाव, • वैश्वीकरण • पर्यटन • सांस्कृतिक संरक्षण हेतु सरकारी प्रयास

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

1. पोखरया, डी.एस. (1996). कुमाऊंनीलोकगीतऔरलोकगाथाएं. बरेली: काश बुकि डपो.
2. डबराल, शिवप्रसाद (1965). उत्तराखंड का इतिहास, वीरगाथा प्रकाशन. पोखरया, डी. एस. (1994). कुमाऊँनी संस्कृति. अल्मोड़ा: अल्मोड़ा बुक डिपो.
3. पोखरया, डी. एस. (1994). लोक संस्कृति के विविध आयाम (हिमालय के सन्दर्भ में) अल्मोड़ा: अल्मोड़ा बुक डिपो.
4. पोखरया, डी. एस. (1996). कुमाऊंनी लोकगीत और लोकगाथाएं. बरेली: काश बुक डपो.
5. Atkinson, E. T. (1882). The Himalayan Gazetteer (Vols. I–III). Delhi: Cosmo Publications.
6. Babulkar, M. L. (2004). Folk Art and Culture of Garhwal [Hindi]. Allahabad: Hindi Sahitya Sammelan.
7. Bisht, B. S. (2006). Tribe of Uttaranchal: A Study of Education, Health, Hygiene and Nutrition. New Delhi: Kalpaz Publications.
8. Bisht, S. S. (2018). Kumaon Himalaya: Society and Culture. Dehradun: Samaya Sakshaya.
9. Census of India. (2011). Uttarakhand – Series 06 – Part XII A – District Census Handbook: Dehradun. Office of the Registrar General & Census Commissioner, India.
10. Kharkwal, S. C. (2017). Uttarakhand: Geographical Analysis of Physical, Cultural and Economic Landscape. New Delhi: Kitab Mahal.
11. Sharma, D. D. (2009). Cultural History of Uttarakhand. New Delhi: D.K. Print world Ltd.